शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

201 से 300

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 28 अगस्त 2020 | दिन- शुक्रवार

बादल

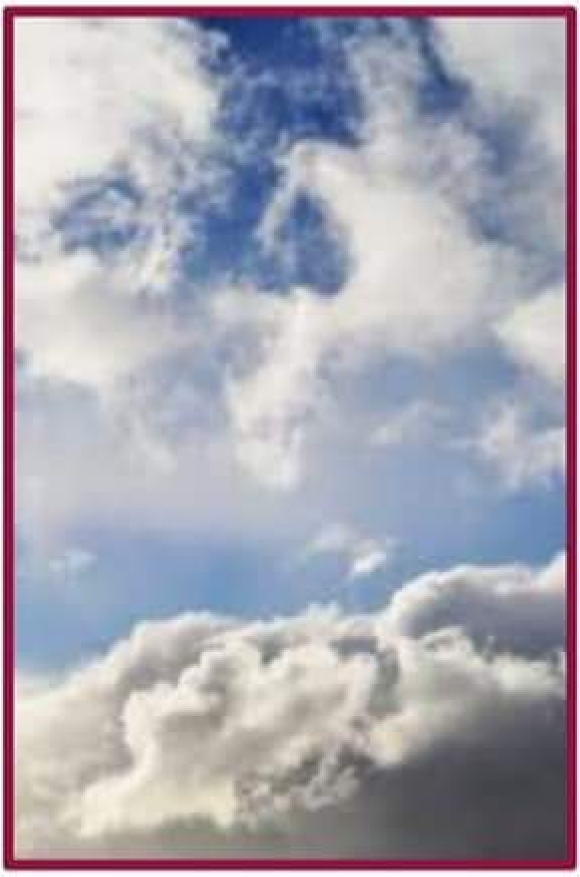

घुमड़-घुमड़ कर आए बादल,
आसमान पर छाए बादल।
कितने सुंदर लगते हैं ये,
जैसे हो लहराता आँचल।।

सूरज को भी ढक लिया है,
दिन में अंधेरा कर दिया है।
जोर-जोर से गरज रहे हैं,
जैसे डाँट रहे हों बादल।।

देख इन्हें बच्चे हर्षाये,
इनमें कोई चेहरा बनायें।
उनको ऐसे ये लगते हैं,
जैसे सफेद दाढ़ी वाले अंकल।।

बहुत दिनों में आये हैं ये,
वर्षा साथ लाये हैं ये।
हैं ये बहुत निराले बादल,
कुछ सफेद कुछ काले बादल।।

201

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 28/08/2020 दिन- शुक्रवार

जय देवी नन्दा-सुनन्दा

202

जय-जय देवी नन्दा-सुनन्दा,
माता जय हो तुम्हारी।
उत्तराखंड में चंद वंशजों द्वारा पूजी जाती,
तारा पत्र द्वारा पूजा अर्चना होती तुम्हारी।।
जय देवी नंदा सुनंदा शक्ति दात्री,
बुद्धि दात्री सरयू रूप में पूजी जाती।
जय जय देवी नंदा-सुनंदा
शैलपुत्री तुम्हीं कहाती।।
शक्ति का वरदान माँगते,
राजा-महाराजा तेरे द्वारे आते।
खाली हाथ ना कभी वे जाते,
युद्ध में विजय श्री पाते।।
नौ रुपों में नवदुर्गा कहलाती,
पर्वतराज हिमालय की पुत्री माता।
उमा, गौरी पार्वती नाम धराती,
जय-जय देवी नन्दा-सुनन्दा माता।।
नंदा-सुनंदा माता हमें भी उबार दो,
कष्टों का हरण कर भव सागर से तार दो।
अपना आशीर्वाद हमें प्रदान कर दो,
महामारी को दूर कर दो।।

उमा सती (स0अ0)
रा0 प्रा0 वि पन्तकोटुली
ताड़ीखेत, अल्मोड़ा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 28/08/2020 दिन- शुक्रवार

नारी

203

कभी कहलाती है वो अबला,
कभी हो जाती है बेचारी।
इन दो पाटों के बीच पिसकर,
रह जाती है नारी।।

तन को झोंके मन को मारे,
दायित्वों से दूर ना भागे।
फिर भी क्यों दुनिया वालों को,
दिखती उसमें कमियाँ भारी।।

बचपन से ही उसकी आजादी,
पर लगी बंदिशे सारी।
फिर भी हंसती हर गम सहती,
खुश रखने को दुनिया सारी।।

कहने को तो जगत जननी है,
अन्नापूर्णा घर की लक्ष्मी है।
फिर भी लेकिन उसके हक पर,
डाले डाका दुनिया सारी।।

अस्तित्व ना हो यदि नारी का,
फिर क्या होगा इस सृष्टि का।
सोचो समझो विचार करो,
नारी को अपराजिता स्वीकार करो।।

सावित्री आर्य (प्र० अ०)
रा० क० उ० प्रा० वि० छिड़ा गांजा
भीमताल, नैनीताल

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 29 अगस्त 2020 **मुर्गे की बांग** दिन- शनिवार

204

रोज सवेरे धरती पर,
सूरज किरणें फैलाता है।
रोज सुबह सबको जगाने,
मुर्गा बांग लगाता है।।

कुकड़ू-कूँ, कुकड़ू-कूँ,
खूब जोर से चिल्लाता है ।
मुर्गे की बांग को सुनकर,
राजू भी जाग जाता है।।

सुन्दर-सुन्दर पंखों वाला,
माथे पर है कलगी आला।
दाना चुगने को जब आता,
पकड़ने भागे राजू लाला।।

शुरू हुई राजू की दिनचर्या,
झटपट वह तैयार हुआ।
भोजन करके फिर राजू,
पाठशाला को चला गया।।

रचना
श्रेया द्विवेदी (स० अ०)
प्रा० वि० देवीगंज प्रथम
कड़ा, कौशाम्बी

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 29-08-2020 **रंगों से भरा संसार** दिन- शनिवार

205

रंग-बिरंगे फूलों से है, खिली सजी फुलवारी।
रंग-बिरंगे रंग बरसाए, होली में पिचकारी।।

कितने रंग भरे पंखों को, लिए उड़ रही तितली।
बहुतेरे रंगों वाली होती, जल की रानी मछली।।

नील गगन में उगता सूरज, कभी लाल, कभी पीला।
कौन जलाए? कौन बुझाए? कैसी ये इसकी लीला?

बर्फ के रंग-बिरंगे गोले खाकर, ले रंगों के चटकारे।
खट्टे-मीठे से मन में फूटें, रंगों के फ़व्वारे।।

मस्त पवन के साथ मगन है, नीली-लाल पतंग।
उड़ कर नभ को छू लेने की, मन में जगे उमंग।।

तरह-तरह के रंगों के घर में, हर रंग की दीवार।
चारों ओर रंग हैं बिखरे, है रंगों से भरा संसार।।

रचना
प्रिया भाटी (स० अ०)
संविलियन विद्यालय लुहारली
दादरी, गौतम बुद्ध नगर

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 29/08/2020

मेरा देश महान

दिन- शनिवार

मेरा देश महान है,
मुझको इस पर अभिमान है ।
है माटी में भी सच्चाई,
ऐसा मेरा हिंदुस्तान है।।

जहाँ जाति-धर्म अनेक हैं,
हर मजहब का सम्मान है।
और विविधता में एकता ही,
मेरे देश की पहचान है।।

206

जहाँ पहरी बन खड़ा हिमालय,
जहाँ बहती गंगा की धार है।
जहाँ बर्फ की चादर लपेटे,
कश्मीर करे श्रृंगार है।।

जहाँ वीरों की वीर-भूमि है,
जहाँ अतिथि-देव समान हैं।
जहाँ स्त्री, लक्ष्मी और देवी है,
जहाँ जन्मे राम-कृष्ण भगवान हैं।।

रचना
नीतू कुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० सादातपुर नाचनी
इस्लामनगर, बदायूँ

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 29/08/2020 | दिन- शनिवार

ट्रैफिक नियम

देखो बच्चों तीन रंग,
लाल, हरा, पीला, रंग।
सड़क चलते रहे ध्यान,
जेब्रा लाइन पर रहे ध्यान।।

जेब्रा से हो सड़क पार,
लाल है कहता रुक जाओ।
पीला कहता हो तैयार,
हरा है कहता चलते जाओ।।

207

इन बातों का होगा ध्यान,
दुर्घटना से बचना आसान।
वाहन की हो कम रफ्तार,
हेलमेट हो सबके साथ।।

नियमों का तुम कर लो ध्यान,
फिर बचना होगा आसान।
हॉर्न को मत तेज करो,
होगा इससे तुमको व्यवधान।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 29 अगस्त 2020 दिन- शनिवार

स्वच्छता

घर आंगन की साफ-सफाई,
अति आवश्यक है मेरे भाई।
करते शरीर की रोज सफाई।
नहीं लेनी पड़ती उन्हें दवाई।।

खाने से पहले, शौच के बाद,
साबुन से हाथ धोना रखो याद।
हर दिन सुबह-सवेरे पहले नहाना,
काम पर जाना उसके बाद।।

आस-पास की सफाई का भी,
रखना है हम सबको ध्यान।
कूड़ा-कचरा डालने को,
प्रयोग करो सब कूड़ादान।।

स्वच्छता के नियम जो अपनाएंगे,
वो बीमारियों से बच जाएंगे।
स्वच्छता से ही जीवन है सुरक्षित,
ये बात सभी दोहराएंगे।।

208

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 29अगस्त,2020 **Opposite words** दिन- शनिवार

209

खुश है happy,
तो दुःखी है sad.
अच्छा है good,
तो बुरा है bad.

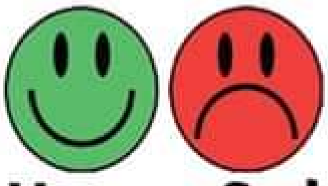

Happy Sad

दिन है day,
तो रात है night.
ढीला है loose,
तो चुस्त है tight.

Good

Bad

ठण्डा है cold,
तो गर्म है hot.
अन्दर है in,
तो बाहर है out.

Day

Night

खरीदो तो buy,
बेचो तो sell.
स्वर्ग है heaven,
तो नर्क है hell.

Hot

Cold

रचना- शिखा मिश्रा (स० अ०)
उ० प्रा० वि० नयाखेड़ा
सि० सरोसी, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं आपका दिन शुभ हो.. बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं

Mission Shikshan Samvad

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

जल ही जीवन

दिनांक- 29/8/2020 दिन-शनिवार

पानी है अनमोल बहुत ही,
व्यर्थ न कभी गंवाओ।
सुनो बृद्ध-जन,साथी, बच्चे,
मत इसको फैलाओ।।

प्यास सभी की बुझती है,
हर बूँद की कीमत होती।
पानी से ही जीव-जन्तु,
पौधों की वृद्धि होती।।

पानी से मिलती आक्सीजन,
सजीव सभी ऊर्जा पाते।
थककर पी पानी शरीर में,
स्फूर्ति वो भर लाते।।

पानी से ही जीवित पौधे,
सभी सजीव रह सकते।
पानी बिना संभव नहीं जीवन,
समझ इसे हम सकते।।

210

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- नैमिष शर्मा (स० अ०)
परि० संवि० (पू०मा०) वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

काव्यांजलि टीम किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए व्हाटसएप करें- 9458278429 मिशन शिक्षण संवाद

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 29 अगस्त 2020 | दिन- शनिवार

हमारा स्वास्थ्य

अच्छे स्वास्थ्य के नियम ये सारे,
उठकर टहलो सुबह को भाई।
योगा करो नित्य स्नान,
इतनी बातें बड़ी सुखदाई।।

भोजन से पहले हाथों को,
साबुन से मलकर धो लेना।
बासी-भोजन, गन्दा-पानी,
सुन लो बच्चों कभी न लेना।।

खुली रखी ठेले की मिठाई,
देखो तुम सब कभी न खाना।
सड़े हुए और कटे रखे फल,
नहीं चाहिए किसी को खाना।।

पेड़ लगाओ हरियाली हो,
वातावरण हो सुखकर।
जल्दी-सोना जल्दी-जगना,
होता सदैव हितकर।।

211

रचना
शिखा वर्मा (इं० प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक-29/08/2020 **मिसाइल मैन** दिन-शनिवार

थे युग-पुरुष, थे युग-निर्माता,
थे वसुन्धरा की शान।
नाम अब्दुल कलाम उनका,
हैं भारत का अभिमान ।।

जन्म रामेश्वरम् जिले में लेकर,
वसुधा को पुनीत किया।
अपने कार्यों के प्रभाव से,
सभी का मन मोह लिया।।

212

सादगी, मितव्ययिता, ईमानदारी,
देशभक्ति, लगनशीलता थे गहना।
त्रिशूल, आकाश, नाग, अग्नि, पृथ्वी,
सफल प्रयोग किया मिसाइल का।।

अभियन्ता, राष्ट्रपति और वैज्ञानिक,
आदि पदों पर कार्य किया।
छात्रों, युवाओं के लिए अनुकरणीय,
'मिसाइल मैन' उनको नाम दिया।।

रचना- वैजयन्ती पाठक (प्र०अ०)
परि०संवि०(प्रा०वि०)वि०गोहरारी
अमौली, फतेहपुर

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 29अगस्त 2020 दिन- शनिवार

भारत

213

मेरे सपनों के भारत में,
हवा चले मतवाली हो।
हरे भरे हों पेड़ सब तरफ,
हरियाली हो, खुशहाली हो।।

चरणों में हो बहता सागर,
पर्वत करता रखवाली हो।
चारों तरफ हो बाग-बगीचे,
फूलों से लदी हर डाली हो।।

हँसते खेलें सभी यहाँ पर,
नहीं कहीं बदहाली हो।
भूल जाएं सब भेद-भाव,
हर रात यहाँ दीवाली हो।।

खुला आसमां, चिड़िया चहके,
गाती कोयलिया काली हो।
विदेशी भी दंग हो जाएं,
ऐसी छटा निराली हो।।

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 29/08/2020 दिन- शनिवार

सरकारी विद्यालय

214

धन्य मनीषी हुए आज तुम,
अमर तुम्हारा नाम रहे।
जो भी शिक्षा यहाँ से पाये,
जीवन उसका सफल रहे।

सरस्वती का पावन मंदिर,
सबसे न्यारा सबसे सुंदर।
यहाँ शिक्षा मिलती है,
निर्धन हो या धनवान।

सबमें समता दिखती है,
आज के युग में जहाँ भी देखो।
शिक्षा को यहां माना है,
अन्य विद्यालय सब को तजकर।

सरकारी विद्यालय में आना है,
अन्तर कोई रहा नहीं अब।
बच्चों के पहनावे में,
टाई जूता सब समान है।

अब न जाओ दिखावे में,
प्रतिभा अपनी दिखाने के।
सबको मिलते मौके हैं,
पाठ्यक्रम भी एक सा।

होता अब क्यों न सोचें है,
उत्तराखंड के राज्य में देखो।
सरकारी विद्यालय की शान है,
हर तरफ से हमने देखा।
इसका अपना मान है।

बिमला बहुगुणा (स.अ.)
रा उ प्रा विद्यालय बड़ा
कीर्तिनगर टि.ग.)

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 28-08-2020

खेल दिवस

दिन- शुक्रवार

215

मित्रता की भावना पैदा करते हैं खेल,
जीवन के डगर पर करवाते हैं मेल।
मन को स्वस्थ व तन को मजबूत बनाते ,
खेल हमारे जीवन में नई राह दिखाते ।

खेल-खेल में हो जाती हैं सब बीमारी दूर,
और हमारे चेहरे पर आ जाता एक नूर।
शाम सुबह अपनाए हम योग को जरुर,
और भोजन में फलों को लें हम भरपूर। ।

कर्णम,सिन्धु,साक्षी ने देश का गौरव बढ़ाया,
देश की बेटियों को एक नया पाठ पढ़ाया ।
खेलों का हम जीवन में करें खूब प्रचार,
भीतर से यह करता शक्ति का संचार ।

खेल हमें नैतिकता का पाठ पढ़ाते,
खेल हमें समूह में रहना सिखलाते।
ले जीवन में हम सब अच्छे-अच्छे संस्कार।
एक दूजे से रखें हम सब अच्छा शिष्टाचार ।

प्रकाश बड़वाल
स0अ0
रा0 प्रा0 वि0 मुसाढूंग
जखोली,रुद्रप्रयाग

आओ हाथ से हाथ मिलाएं आपका दिन शुभ हो.. बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30/08/2020

बाल स्वच्छता

दिन- रविवार

मुर्गा बोला हुआ सवेरा,
छाई लाली बड़ी निराली।
बच्चों की है मुस्कान-प्यारी,
चारों तरफ फैली उजियाली।।

मुँह को धोकर दाँतुन करना,
नित्य प्रति स्नान भी करना।
स्वच्छ-वस्त्र सदैव पहनना,
तैयार हो कर स्कूल जाना ।।

216

स्कूल जाकर, पढ़ना-लिखना,
मास्क लगाकर बातें करना।
खाने से पहले हाथ भी धोना,
क्यूँकि महामारी फैली कोरोना।।

प्यारे बच्चों! कभी न झगड़ना,
स्वच्छता का पालन करना।
स्वच्छता से होगी दूर बीमारी,
यही संदेश है जनहित में जारी।।

रचना
प्रियंका सक्सैना (स० अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30 अगस्त 2020 | दिन- रविवार

खेलों का महत्व

खेलकूद से इस शरीर में,
होता ऊर्जा का संचार।
खेल खेलने से बच्चों,
बढ़ता आपस में सद्व्यवहार।।

योगा और व्यायाम से सबके,
मन को मिलती शान्ति है।
मन के संग इस तन में भी,
तो जगती नव कान्ति है।।

मन के संग हो तन भी दुरुस्त,
तो काम सभी कर पाओगे।
यदि तन-मन होगा स्वस्थ्य तभी,
जीवन में कुछ कर जाओगे।।

217

नित व्यायाम और खेल से,
तन-मन रहते हैं स्फूर्तिवान।
खेलों को दोगे यदि महत्व,
तो बन जाओगे तुम बलवान।।

रचना- शिखा वर्मा (इं० प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30/8/2020

खेलें-खेल

दिन-रविवार

218

खेल-कूद भी होता अच्छा,
खेलो आपस में मिलकर।
ग्रुप बनालो दो बच्चों तुम,
खो-खो खेलो छू-छूकर।।

छः खिलाड़ी एक ग्रुप में,
छः ही दूसरे में रखकर।
साँस रोककर छूकर आना,
बोल कबड्डी-कबड्डी कहकर

कैरम-बोर्ड की दस-दस गोटी,
अपनी बाजी पर तुम खेलो।
दस की काली, बीस की सफेद,
रानी के संग जीत के ले लो।।

लूडो, साँप-सीढ़ी, शतरंज,
इण्डोर-गेम, घर पर खेलो।
साईकिल, दौड़, कूद-लम्बी,
आउटडोर-गेम, बाहर खेलो।।

रचना- नैमिष शर्मा (स० अ०)
परि० संवि० (पू०मा०) वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30/08/2020 **मेरा देश है सबसे प्यारा** दिन- रविवार

219

मेरा देश है सबसे प्यारा,
सारी दुनिया से है न्यारा।
हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई,
मिलकर रहते सब भाई-भाई।।

सूरज फैलाये हर ओर उजियारा,
यहाँ है मन्दिर, मस्ज़िद, गुरुद्वारा।
इसकी धरती उगले ऐसा सोना,
महक उठता है कोना-कोना।।

हरियाली है इसकी चुनरिया,
इंद्रधनुष लेकर आई बदरिया।
मन्द-मन्द सुगन्धित पवन चले,
इसके आँगन में सब फूले फलें।।

कलियाँ खिली, फूल मुस्काये,
आवारा भँवरा गुन-गुन गाये।
प्रेम की बजती यहाँ बाँसुरिया,
सांवरी के संग नाचत साँवरिया।।

रचना
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30-08-2020   दिन- रविवार

खो-खो

चुन्नू-मुन्नू थे दो भाई,
दोनों ने अपनी टीम बनाई।
टॉस किया दोनों ने मिलकर,
चुन्नू ने अपनी टीम बैठाई।।

शुरू हो गया खो-खो भाई,
लगे दौड़ने मुन्नू भाई ।
कभी दाएं कभी बाएं से,
बच कर निकले चुन्नू भाई।।

कब किधर से खो मिलेगी?
ना जाने क्या होगा भाई।
सारे ताक लगाए बैठे,
कब खो मिल जाए भाई?

220

जोश भरा है सबके मन में,
सबने खूब दौड़ लगाई।
जीत गए हैं चुन्नू भाई,
सबने मिलकर धूम मचाई।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30/08/2020 **राष्ट्रीय खेल दिवस** दिन- रविवार

हॉकी का था वो जादूगर,
दुनियाँ जिसका लोहा माने।
उनतीस-अगस्त जिसका जन्म हुआ,
ध्यानचंद नाम उसका जानें।।

ध्यानचंद की हॉकी ने,
दुनियाँ को ऐसा चौकाया।
भारत को ओलंपिक खेलों में,
सोने का मैडल दिलवाया।।

ध्यानचंद की जिस हॉकी से,
अंग्रेज जो थर-थर कांप उठे।
विश्व विजेता बनकर जो,
भारत के नसीब जाग उठे।।

221

विश्व-पटल पर कितनों ने,
देश का मान बढ़ाया है।
क्रिकेट हो या कुश्ती में,
भारत का मान बढ़ाया है।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30 अगस्त 2020 दिन- रविवार

खेलों के प्रकार

घर के अंदर जो हैं खेले जाते,
वो हैं इन्डोर गेम कहलाते।
शतरंज, टेबल टेनिस, कैरम,
लूड़ो इनके अंतर्गत आते।।

आउटडोर गेम वो होते,
जो मैदान में खेले जाते।
हॉकी, क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी,
खो-खो, कुश्ती इनमें आते।।

आउटडोर गेम से शरीर,
होता स्वस्थ और बलवान।
खुले वातावरण में उछल-कूद से,
बनता है शरीर ऊर्जावान।।

इन्डोर गेम में वातावरण,
शांत और गम्भीर हैं पाते।
मानसिक विकास होता इनसे,
दिमागी कसरत से खेले जाते।।

222

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलाएं आपका दिन शुभ हो.. बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30/08/2020 **खेल की रेल** दिन- रविवार

आओ खेलें-खेल,
आओ खेलें-खेल।
रिंकी, पिंकी, सोनू,
सब बना जाएं रेल।।

घर में कैरम, लूडो,
सीखो कराटे, जूडो।
ले आओ एक रैकेट,
बल्ले से खेलो क्रिकेट।।

फुटबॉल या वॉलीबॉल,
मुक्केबाजी, तीरंदाजी।
बनी खेल की झांकी,
खेलों तुम सब हॉकी।

223

खेल की रेल चलाओ,
जग में नाम कमाओ।
ध्यानचंद को याद करो,
खेल-दिवस मनाओ।।

रचना-
आमिर फारूक (स० अ०)
उ० प्रा० वि० औरंगाबाद माफी
सालारपुर, बदायूँ

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

नानी की कहानी

दिनांक- 30/08/2020 दिन- रविवार

नानी सुनाती एक कहानी,
एक था राजा, एक थी रानी।
परियों के देश घुमाती,
उड़ते हाथी-घोड़े बतलाती।।

नानी सुनाती एक कहानी,
जादूगर का खेल बताती।
रहस्यमई गुफा दिखलाती,
चलने वाले पेड़ भी बताती।।

224

नानी सुनाती एक कहानी,
सफेद बर्फ की नगरी घुमाती।
बड़ी मूछों वाले दरबान से मिलवाती,
उड़ने वाला कालीन भी दिखलाती।।

नानी सुनाती एक कहानी,
जिसमें होते बंदर, शेर, हाथी।
सुनकर खो जाते हम सब साथी,
ऐसी सुनाती नानी एक कहानी।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा०वि०बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30/08/2020 दिन- रविवार

राह में

225

राही जब तुम राह पर चलना,
अपनी गति को, जरा समझना।
यदि ठोकर लग जाए राह में,
गिर कर तुम, फिर से उठ जाना।।
राह के काँटों को, तुम देख लेना,
चुभने किसी को, तुम मत देना।
गिरते को तुम, थाम लेना,
गिर गये जो, उन्हें उठाना।।
पथ पर कभी भी, मत डगमगाना,
दम से राह को, दीप्तिमान करना।
सफल पथिक, तुम साधक बनना,
राह की नयीं इबारत लिखना।।
मुमकिन है, राह में कष्टों का होना,
संघर्षशील तुम, आनन्दित रहना।
झूठ-फरेब का तुम, साथ न देना,
पथ पर पग-पग आगे बढ़ना।।

मदन राज (प्र० प्र० अ०)
रा० प्रा० वि०कुमेरु(मल्ली रिगोली
कीर्तिनगर टिहरी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलाएं आपका दिन शुभ हो.. बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 30/08/2020 दिन- रविवार

226

फूल मेरी बगिया के

मेरी बगिया के सुंदर फूल
पीले, लाल, सफेद, गुलाबी,
चाहे ले लो कोई भी रंग तुम,
मन सबके लुभाते फूल।।

कोई खिले, कोई अधखिले,
खुशबू अपनी बिखेरते फूल।
मधुमक्खियों को बेसुध कर,
खुशबू से खींच लेते फूल।।

टूट जाए डाली से फिर भी,
नहीं कभी शोक मनाते फूल।
कभी हृदय की शोभा बनके,
कभी चरणों में शीश नवाते फूल।।

क्षण भर का जीवन है इनका,
व्यर्थ न इसे गँवाते फूल।
देकर अपना सर्वस्व सभी को,
फिर भी प्यार से मुस्काते फूल।।

जियें हमेशा हम भी फूलों जैसे,
यही बात सिखलाते फूल।
खिले रहने की शिक्षा देते,
मेरी बगिया के सुंदर फूल।।

कविता जोशी (स० अ०)
रा० प्रा० वि० देवलचौड़
कोटाबाग, नैनीताल

काव्यांजलि टीम किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए व्हाटसएप करें- 9458278429 मिशन शिक्षण संवाद

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31/08/2020

खेल पहेली

दिन- सोमवार

चौसठ खाने जिसके अंदर ,
ऊंट-सिपाही हाथी-घोड़े।
दो वजीर और दो बादशाह,
जो जीते बन जाए शाह।।

उत्तर
1.शतरंज 2.हॉकी 3.बास्केटबॉल 4.दौड़

खेलों का मैं राजा हूँ,
डंडे से खेला जाता हूँ।
ग्यारह खिलाड़ी इसके अंदर,
गेंद घुमाये कोर्ट के अंदर।।

एक जाल है जिसके अंदर,
गोल-बॉल जाल के अंदर।
जो ज्यादा से ज्यादा अंक बनाये,
खेल विजेता वही कहलाये।।

चार-लेन का खेल हूँ मैं,
आगे-पीछे भागे हम।
जो आगे हो वही विजेता,
पीछे वाला बने उपविजेता।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31-08-2020 | दिन- सोमवार

मेरी गुड़िया

228

मेरी गुड़िया, प्यारी गुड़िया,
सारे जग से न्यारी गुड़िया।
सखी सहेली मेरी गुड़िया,
है एक पहेली मेरी गुड़िया।

नयनों में काजल पैरों में पायल,
ओढ़ चुनरिया लाल चली।
करके सोलह श्रृंगार चली,
गुड़िया मेरी ससुराल चली।

देकर नयनों में नीर चली,
मेरा आंगन छोड़ चली।
पालकी में बैठ चली,
गुड्डे राजा के संग चली।

भूल ना जाना गुड़िया रानी,
याद आओगी गुड़िया रानी।
खुश रहना मेरी गुडिया रानी,
मुस्काती रहना गुड़िया रानी।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31/08/2020

खेल

दिन- सोमवार

229

चाहे पास हों या फेल,
ना छोड़ो बच्चों खेल।
बन जाओगे बलवान,
जो खेलोगे तुम खेल।।

खेलने से हमारा तन,
और मन मुस्कुराता है।
खेल का जादू है ऐसा,
हर किसी को भाता है।।

कभी क्रिकेट कभी हॉकी,
कभी खेलेंगे हम फुटबॉल।
कभी लूडो कभी कैरम,
कभी खेलेंगे वॉलीबॉल।।

बच्चा हो या कोई बूढ़ा,
हर कोई चाहता है खेल।
खेल के जरिए ही बच्चों में,
आपस में बढ़ता है मेल।।

रचना-
पूनम गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
जनपद अलीगढ़

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31 अगस्त 2020 | दिन- सोमवार

जब स्कूल खुले होंगे

230

तर्ज- जब हम जवाँ होंगे

जब स्कूल खुले होंगे,
बच्चे भी यहाँ होंगे।
हम भी यहाँ होंगे,
बच्चों का साथ करेंगे।।
उनसे बात करेंगे......

जब से ये स्कूल बन्द हो गए हैं,
हम कितने खाली-खाली हो गए हैं।
सूनी कक्षाओं में हम किससे बात करेंगे?
बच्चों का साथ करेंगे।।

सुबह-सवेरे जब विद्यालय आते हैं,
देख प्रांगण सूना हम मुरझाते हैं।
हरदम यही सोचें कब विद्या-दान करेंगे?
बच्चों से बात करेंगे।।

जब विद्यालय ये सारे खुल जाएंगे,
नन्हे-मुन्ने प्यारे बच्चे आएंगे।
उनके संग मिलकर हम खुशियाँ आबाद करेंगे,
बच्चों का साथ करेंगे।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31 अगस्त 2020 दिन- सोमवार

आलू का ब्याह

231

सभी सब्जियों ने, मिलकर ये ठाना है।
आलू राजा का अब, ब्याह कराना है।।

मूली, गाजर बहनें, संग में जाएंगी।
कटहल के संग भाभी, खोज ले आएंगी।।

पालक, धनियां और चली चौलाई हैं।
तोरई, भिण्डी भी, न्योते में आई हैं।।

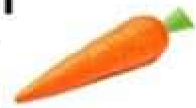

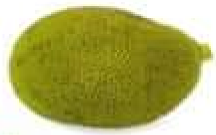

गोभी, पत्तागोभी और चुकन्दर जी।
बाराती बन जाते, मस्त कलन्दर जी।।

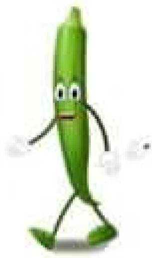

परवल, टिण्डा, शलजम नाचें झूम के।
लाल टमाटर नाचे, बैंगन घूम के।।

कद्दू और शिमला भी सजकर आए हैं।
देखो करेले जी, मन में मुस्काए हैं।।

बीन्स, मटर ने ठुमके खूब लगाये हैं।
खीरा, मिर्ची मन ही मन हरसाए हैं।।

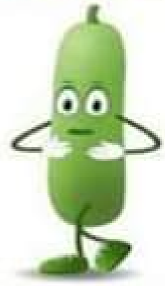

आलू दूल्हे राजा बनकर आए हैं।
ब्याह के लौकी दुल्हन घर में लाए हैं।।

रचना
शिखा वर्मा (इं० प्र० अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31/08/2020 दिन- सोमवार

स्कूल बस

स्कूल-बस, स्कूल-बस,
मुझको भाती मेरी स्कूल-बस।
कितनी प्यारी, कितनी न्यारी,
सबसे प्यारी मेरी स्कूल-बस।।

रोज-रोज वह घर है आती,
घर से हमें स्कूल ले जाती।
आओ-आओ सब करो सवारी,
आवाज लगाती बारी-बारी।।

सुरक्षित हमको घर पहुँचाती,
एक जैसा है प्यार दिखाती।
साथ सभी हम मिलकर बैठते,
भेदभाव ना मन में पनपते।।

232

बैठुंगा खिड़की वाली सीट पर,
फिर देखुंगा सबके घर।
देखूं सड़कें, खेत, खलियान,
देखूंगा मैं बाजार व वायुयान।।

रचना
नीतू कुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० सादातपुर नाचनी
इस्लामनगर, बदायूँ

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31/8/2020   **इकाई-दहाई ज्ञान**   दिन- सोमवार

233

तर्ज- तुम्हीं हो माता-पिता तुम्हीं हो,

कोई संख्या एक से नौ तक की,
उस संख्या को इकाई हम कहते।
दाँए से बाँए दस से जो शुरू होतीं,
निन्यानवें तक संख्या को दहाई कहते।।

सौ से सैकड़ा शुरू होता है,
नौ-सौ निन्यानवें तक सैकड़ा होता।
एक-हजार से नौ-हजार, नौ-सौ निन्यानवें तक,
उसके बाद दस-हजार शुरू होता।।

निन्यानवें-हजार नौ-सौ निन्यानवें तक,
उसके बाद एक-लाख आ जाता।
एक-लाख, निन्यानवें-हजार, नौ-सौ निन्यानवें तक,
सात संख्याओं का दस-लाख हो जाता।।

दस-लाख निन्यानवें-हजार नौ-सौ निन्यानवें तक,
आठ संख्याओं का एक करोड़ हो जाता।
इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार, दस-हजार,
एक-लाख, दस-लाख, एक-करोड़ फिर होता।।

रचना- नैमिष शर्मा (स० अ०)
परि० संवि० (पू०मा०) वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31/08/2020 **प्यारा परिवार** दिन- सोमवार

234

सबसे प्यारा, सबसे न्यारा,
मेरा परिवार है, मेरा सहारा।
करता है हरदम सुरक्षा मेरी,
पूरी होती सारी जरूरतें मेरी।।

जन्म लिया जब इस दुनिया में,
मुझे मिला एक प्यारा परिवार।
सद्गुणों को जगाया मुझमें,
धरा पर रहना सिखाता परिवार।।

दादा-दादी, मम्मी-पापा,
भाई-बहन सबसे है नाता।
सबसे मिलजुल कर रहना आता,
एक-दूजे पर प्यार है आता ।।

मेरी दुनिया है मेरा परिवार,
प्रेम सहयोग है इसका आधार।
विश्व में शान्ति जब आयेगी,
हर ओर खुशियाँ तब छायेंगी।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि- दैनिक सृजन

दिनांक- 31अगस्त 2020   दिन- सोमवार

235

दहेज एक अभिशाप

तर्ज- हम तुम्हें चाहते हैं ऐसे

दहेज प्रथा एक अभिशाप है -2
दहेज देना ही नहीं, दहेज देना ही नहीं,
दहेज लेना भी महापाप है।।

बहू भी तो किसी की है बेटी-2
फिर दुनिया उसे, फिर दुनिया उसे,
क्यों चैन से नहीं जीने देती।।

बेटी जन्मी पिता घबराए-2
इस दहेज के लिए, इस दहेज के लिए,
एक-एक पैसा जोड़े जाए।।

बड़े नाजों से पापा ने पाला -2
फिर ससुराल में, फिर ससुराल में,
क्यों जिंदा उसे जला डाला।।

कुछ बेटी तो अब तक कुंवारी-2
कुछ ने खाया जहर, कुछ ने खाया जहर,
कुछ ने फांसी ही लगा डाली।।

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

दिनांक- 31अगस्त2020 दिन- सोमवार

बेटियाँ

236

किलकारी जिसके आँगन में,
मार रही हैं बेटियाँ।
उसने जानो पिछले जन्म में,
कोई पुण्य है किया ।।

बेटी का जो पिता बने,
वो पिता सौभाग्यशाली है।
जिस घर में ना बेटी खेले,
वो घर खाली-खाली है।
बेटों से पहले मात-पिता की,
सेवा करती बेटियाँ ।।

सती सावित्री, माँ अनुसूइया,
सीता, रानी झाँसी की ।
मरियम, पन्ना धाय, कल्पना भी,
तो किसी की बेटी थी।
बेटों ने कब किया है ऐसा,
जैसा कर गई बेटियाँ ।।

जब बेटा-बेटी एक बराबर,
तो बेटे की चाहत क्यूँ।
बेटी जन्मे तो नाक सिकोड़े,
बेटा हो तो दावत क्यूँ।
कन्या दान सा पुण्य कराती,
हैं बस केवल बेटियाँ।।

भेदभाव ना करो बेटी से,
बेटी खिलती धूप है।
वो बेटी है और है बहिना,
पत्नी और माँ का रूप है ।
सृष्टि के निर्माण में सहायक,
सुंदर - सुंदर बेटियाँ ।।

सुंदरपाल सिंह (स०अ०)
रा॰ प्रा॰ वि॰ खांड गाँव
वि॰ क्षे॰ बहादराबाद, हरिद्वार

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

दिनांक- 31अगस्त 2020 दिन- सोमवार

पेड़ की जीवन गाथा

237

यौवन से मदमाता पेड़,
पतझड़ से अलसाया पेड़।
ओस की बूँदें पत्तियों पर सजाता,
परिंदों को टहनियों पर झूलाता पेड़।।

दूधिया चाँदनी से नहाया हुआ,
सोने की पत्तियों सा चमकता पेड़।
हवा के झोंके से खड़खड़ाता,
कलेजे तक काँप जाता पेड़।।

तूफान की मार सहता,
झुक कर उठ जाता पेड़।
चरचराती शाखाओं और,
टूटी बाँहों वाला पेड़।।

जीवन जिस मानव को देता था,
उस मनुज ने ही काट डाला पेड़।
अब तो सँभलो महत्व तो जानो,
धरती माँ के आभूषण होते पेड़।।

सावित्री जोशी (स0अ0)
रा0प्रा0वि0 पल्लीगाड़
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

1/9/2020 238 मंगलवार

तर्ज- यार हमारी बात सुनो.. मंगलकारी गणेश

गणपति का आह्वाहन करो,
जब भी शुरु शुभ-काम करो।
जिससे जीवन सुखमय हो,
कभी मन दुःखी न हो।।

कोई भी तुम काम करो तो,
प्रथम गणेश को पूजते।
शुद्ध-भाव से, मंगलकामना,
करें भक्त सभी बूझते।।

सभी देवों में श्रेष्ठ, देवादिदेव।
कोई देव न छूटा, पूजे जो गणेश।।

माथे तिलक गजानन देखो,
सुंदर रुप सुहाये।
एकदन्त कहलाते देखो,
भक्त सभी हरषाये।।

वाहन-मूषक का, भोग लड्डू का,
ऋद्धि-सिद्धि के संग, पूजें गणेश।।

रचना- नैमिष शर्मा (स० अ०)
परि० संवि० (पू० मा०) वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

पार्वती नंदन

शंकर पार्वती के नंदन,
करते हैं हम तुमको वंदन।
आओ पधारो प्रभु गजानन,
मस्तक तिलक लगाऊं चन्दन।।

मूषक वाहन पर आओ प्रभु,
रिद्धि-सिद्धि संग लाओ प्रभु।
लड्डू मोदक खाओ प्रभु,
मन के कलेश मिटाओ प्रभु।।

हे विध्न विनाशक सुखकर्ता ,
सारे जग के पालनकर्ता ।
सब देवों में देव हो न्यारे,
हो मात पिता हमारे आप।।

गणपति हमको है आस तुम्हारी,
खाली झोली भर दो हमारी।
हे लम्बोदर गणनायक गजानन,
स्वीकार करो प्रभु मेरा अभिनन्दन।।

रचना सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

गणेश वंदना

विघ्न विनाशाय:, लम्बोदराय:,
हे! गौरिसुतं, हे! गौरिसुतं।
नमस्करायः नमस्करायः।।

निजमूषकवाहनाये,
ऋद्धि-सिद्धि सहाये।
हेरम्ब! हेरम्ब! हेरम्ब!।।

एकदन्त धारणं, गजाननं
विघ्ननिवारणं, मोरमुकुटम।
प्रथमपूज्य ईशं, वंदनम वंदनम।।

गौरिसुतप्रियं, दैत्यनिकन्दनम,
चतुर्भुजं, नटराजनन।
मोदकप्रियं, कार्तिकेयानुजम।।

सिद्धि विनायकः, गौरीपुत्रं,
अहं शीष नतमस्तकम।
हे!गणधीशं, हे! गणधीशं।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

01/09/2020

241

मंगलवार

हे! गजानन

तर्ज- मनिहारी का वेष बनाया..

गजानन का रूप बनाया,
मेरे मन को बहुत हरषाया।
लम्बोदर का रूप बनाया,
मेरे मन को बहुत हरषाया।।

मैंने विपदा कही,
गणपति ने सुनी।
मुझे कष्टों से मुक्ति दिलाया,
मेरे मन को बहुत हरषाया।।

विघ्न हर्ता तुम्हीं,
सुखदाता तुम्हीं।
मोदक का भोग लगाया,
मेरे मन को बहुत हरषाया।।

मूषक सवारी तेरी,
बड़ी प्यारी लगी।
तेरे वाहन का रूप निराला,
मेरे मन को बहुत हरषाया।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

01.09.2020 | 242 | मंगलवार

तर्ज़-इतनी शक्ति हमें देना दाता

गणेश-आराधना

इतनी शक्ति हमें दो गणेशा,
ध्यान मन से कभी भी न जाये।
हम हैं अज्ञानी हाथ धरो हम पर,
भूलवश कोई त्रुटि कर न जाएं।।

दूर दुनिया से पाप हो जाए,
जीवन सबका सरल हो पाए।
कोई कटुता न बैर हो कोई,
इतनी सन्मति सभी को आये।।

मन में आस्था हो हरपल तुम्हारी,
रास्तों पर तुम साथ दो न।
हम अंधेरों से घबरा न जाएं,
तुम हमें ज्ञान की रोशनी दो।।

विघ्नहर्ता तुम्हें सब है कहते,
सारे संकट को तुम दूर कर दो।
शुभ है तेरा नाम ओ गणेशा,
काम सबके सम्पन्न तुम कर दो।।

डॉ०नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर-कर्ण, उन्नाव

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

01-09-2020 | 243 | मंगलवार

जय गणेश

जय-गणेश, जय-गणेश, जय-गणेश देवा,
ॐ गं गणपतये नमः ॐ गं गणपतये देवा।

दिल से मांगोगे जो मिलेगा, ये देवा का दरबार है,
देवों के देव को, अपने हर भक्त से प्यार है।
चलो मिलकर खुशियाँ मना लीं जाएं,
लेके बप्पा का नाम आज कुछ काम हो जाए।

सुख करता मोरया, दुख हरता जय मोरया,
गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ती मोरया।
खुशियाँ बाँटें हम सब दिल से हर जगह,
आज का दिन गणपति के नाम हो जाए।

गणपति बप्पा आये हैं साथ खुशहाली लाये हैं,
बप्पा के आशीर्वाद से सबने सुख के गीत गाये हैं।

रचनाकार
नवनीत शुक्ल(स० अ०)
प्रा० वि० भैरवां द्वितीय
शि० क्षे०- हसवा, जनपद- फतेहपुर

श्री गणेश

गणेश, गजानन, गणपति,
किस नाम से पुकारें?
विघ्न विनाशक देव,
हमारे काम सँवारें।।
गौरा के पुत्र हो, पिता शुभ-लाभ के।
रिद्धि-सिद्धि दाता, हम भक्त हैं आपके।।
आज हम मिलके बप्पा,
तुझको पुकारें।
गणेश, गजानन, गणपति,
किस नाम से पुकारें?
आज हम गणेश का, उत्सव मनायेंगे।
घर द्वार गलियों में, तोरण सजाएंगे।।
दर्शन देकर प्रभु,
हमारा जीवन सवारें।
गणेश, गजानन, गणपति,
किस नाम से पुकारें?

रचना
पूनम गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि - दैनिक सृजन
01-09-2020 245 मंगलवार

गणपति अरज

तर्ज- होंठों से छू लो तुम

गणपति अरज तुमसे, प्रभु लाज मेरी रख लो।
करबद्ध करूँ विनती, चहुँओर का तम हर लो।।

अंधियारा न हो जग में, कहीं फैले न लाचारी।
बस ज्ञान किरण चमके, भागे हर बीमारी।।
नयी ज्योति जला करके ये जग जगमग कर दो।
गणपति अरज तुमसे.....

तुम शंकर के लाला, तुम हो गौरी के नंदन।
तुम प्रथम पूज्य प्रभु हो, सब करते नित वंदन।।
गजबदन कृपा करके मेरे उर को विमल कर दो।
गणपति अरज तुमसे.....

हम शरणागत तेरे, प्रतिपालक तुम मेरे।
तुम विघ्नों के हर्ता, मन तुमको ही टेरे ।।
हेरम्ब दया करके मेरा गीत अमर कर दो।
गणपति अरज तुमसे.....

रचना
रश्मि (प्र.अ.)
प्रा.वि. गुलाबपुर
भाग्यनगर, औरैया।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

1 सितम्बर 2020

246

मंगलवार

गणेशा

तर्ज- तुम्हें दिल से चाहा था हमने

तुम्हें अपना सबकुछ है माना,
गणेशा माँ गौरी के प्यारे।
तुम्हारे बिना कौन हरता?
गजानन ये विघ्न हमारे।।

तुम्हें सबसे पहले है पूजा,
है तुम बिन मेरा कौन दूजा?
लगा दो मेरी पार कश्ती,
है कश्ती तुम्हारे सहारे।।

तुमसे ना कुछ भी छुपा है,
के सबकुछ ही तुमको पता है।
तुम्ही तो मिटा सकते हो,
हे शंकरसुत! कष्ट हमारे।।

हम पर ये उपकार कर दो,
हमें भव से तुम पार कर दो।
एक तुम्हारी ही है आस हमको,
के हम तो हैं भक्त तुम्हारे।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

01/09/2020 247 मंगलवार

गौरीसुत-स्तुति

गजवदन कहो या गणपति ले लो नाम,
गौरीसुत और गजानन हो अभिराम।
जय विघ्नहरण हे! प्रथम पूज्य श्री गणेश,
मोदकप्रिय हो हरते तुम जग के क्लेश।।

तुम एकदन्त, लम्बोदर भी कहलाते,
हैं वक्रतुण्ड, गजकर्णक नाम सुहाते।
जम्बूफल और कपित्थ लगाते भोग,
रोली-चन्दन अर्पित करते सब लोग।।

सब फलदायक, गणनायक हो आप,
शिवसुत हो तुम हर लेते हर संताप।
हो रिद्धि-सिद्धि के स्वामी हे! प्रथमेश,
पूजन-वन्दन स्वीकारो हे! श्री गणेश।।

स्तुति कर लो हे! परम पूज्य स्वीकार,
मन-वचन और कर्मों से है सत्कार।
वन्दन करते हम लेकर पावन नाम,
करबद्ध करें हम बारम्बार प्रणाम।।

रचना
शिखा वर्मा (इं० प्र० अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

1 सितम्बर 2020

248

मंगलवार

तर्ज- सावन का महीना----

गणपति गणेश

गणपति गणेशा, देवों में देव महान।
रिद्धि सिद्धि के स्वामी, तुम हो बड़े बलवान।।

शिवजी के प्रिय पुत्र, गौरा के लाला,
आपकी सवारी है, चूहा मतवाला,
एकदन्त हो तुम, तुम्हारी पहचान।
रिद्धि सिद्धि के स्वामी, तुम हो बड़े बलवान।।

देवों में सबसे पहले, हो तुम्हारी पूजा,
देवों में तुम जैसा, नहीं कोई दूजा,
ना हाथों में बंसी, ना ही तीर कमान।
रिद्धि सिद्धि के स्वामी, तुम हो बड़े बलवान।।

लड्डू प्रिय तुम्हे, चार भुजा धारी,
सारे तुम्हे ही पूजें, नर हो या नारी,
करते इच्छा पूरी, करते सबका कल्यान।
रिद्धि सिद्धि के स्वामी, तुम हो बड़े बलवान।।

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

01/09/2020

249

मंगलवार

गणेश वंदना

एकदंत तुम चार भुजाधारी,
करते हो प्रिय मूषक की सवारी।
प्रथम पूजा गणपति तुम्हारी,
रक्त वर्ण तुम पीतवस्त्रधारी।।

मंगलमूर्ति कहते तुम्हें गजानन,
बुद्धि के दाता हो दु:ख भंजन।
नित्य ध्यान लगा करें हम वंदन,
हो शिव प्रिय तुम गौरी नंदन।।

शुभ दिन है पूजन का बुधवार,
हम सब पुकारे देवा सुन लो पुकार।
भजन करें पूजा आरती उतार,
करें प्रणाम पावन चरणों में बारम्बार।।

विघ्नहर्ता तुम हो मंगलकारी,
मोदक प्रिय,तुम संकटहारी।
जग के स्वामी तुम हितकारी,
हो आदि देव हर युग अवतारी।।

रचना
नीतू कुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० सादातपुर नाचनी
इस्लामनगर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

01/09/2020

250

मंगलवार

गणेश स्तुति

जय-जय-जय गजमुख धारी,
दु:ख दूर करो, है अर्ज हमारी।
हे! जग पालक, जग बलिहारी,
हे! उमासुत, हो पीतांबर धारी।।

जय-जय-जय गजमुख धारी,
दु:ख दूर करो, है अर्ज हमारी।
हे! जग पालक, जग बलिहारी,
हे! उमासुत, हो पीतांबर धारी।।

जय-जय-जय एकदंत धारी,
प्रथम पूज्य जिनेश्वर सर्वहितकारी।
भवसागर तारक, सुनो विपदा सारी,
सब छोड़ जगत शरण आता तिहारी।।

जय-जय-जय चतुर्भुज धारी,
हे! कष्ट निवारक, हो मंगलकारी।
प्रिय भोग मोदक, है मूषक सवारी,
भक्तों के हो आप, सदैव हितकारी।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा०वि०बनगवां
सालारपुर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

01/09/2020

251

मंगलवार

भक्त की अर्जी

जय हो तेरी गणपति देवा,
जो भी तेरी करता है सेवा।
बदले में पाता है मेवा,
जय हो तेरी गणपति देवा।।

थाल सजा तेरी आरती गाऊं,
लड्डू का तुझ को भोग लगाऊँ।
पान, पुष्प-फल तुझ पर चढ़ाऊं,
बदले में तेरी कृपा पाऊं।।

एकदंत सब तुमको कहते,
तुम सब कष्टों को हर लेते।
चारभुजा के तुम हो धारी,
पाप हुए जो हम से भारी।।

उन पापों को तुम हर लेना,
भक्ति को अपना वरदान देना।
तुमको मैं ना कभी भुलाऊं,
रोज तुम्हारा गुणगान गाऊं।।

रचना-
अमित बाबू (स० अ०)
प्रा० वि० करनपुर
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

01/09/2020 252 मंगलवार

गजानन वंदन

जय जय हो गणपति भगवान।
श्रद्धा मन से करें प्रणाम।।

पार्वती शंकर के लाल,
प्रथम पूज्य कहलाते लाल।
केतु देव का तुमको मान,
फिर से तुमको करें प्रणाम।।

हाथी का मुख तुम हो धारे,
तभी गजानन सभी पुकारें।
लम्बोदर एक और है नाम,
शीष नवाकर तुम्हें प्रणाम।।

ऋद्धि - सिद्धि के तुम हो दाता,
शुभ और लाभ के हो तुम धाता।
आशीष तुम्हारा सफल हो काम,
बार बार है तुम्हें प्रणाम।।

रचना
राकेश सिंह गोर्ला (स०अ०)
रा०पू०मा०वि०- ऐंठी,
थलीसैण, पौड़ी- गढवाल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

01/09/2020 | 253 | मंगलवार

जय गणेश

जय गणेश, जय गणपति।
विध्नविनाशक,जय गणाधिपति।।
हे विनायक,सर्व विघ्ननाशक
एकदन्ताय सर्व शांतिकारक,
जय गणेष, जय गणपति।।

हे वक्रतुण्डाय,जय गौरीसुताय,
गजमस्तक सर्व शक्तिकारक,
जय गणेश, जय गणपति।।

हे लम्बोदराय,जय विश्वरुपेण,
विघ्नराजेन्द्रं विघ्न विनाशक,
जय गणेश जय गणपति।।
हे कृष्णपिंगाक्ष,जय महाकाय,
गणाधिपति मस्तक के विशाल,
जय गणेश जय गणपति।।

हे भालचन्द्र, लम्बोदराय,
धूमवर्ण जीवन के आधार,
जय गणेश जय गणपति।।
हे मंगलमूर्ति गणाध्यक्ष,
मूषक वाहन प्रथम पूज्यनीय,
जय गणेश जय गणपति।।

शैलेन्द्र सिंह रौथाण (स.अ.)
रा. उ. प्रा. वि. जाख,
थलीसैंण, पौड़ी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि - दैनिक सृजन
01/09/2020 254 मंगलवार

गणेश कीजिए पथ निष्कंटक

भाद्रचतुर्थी के शुक्ल पक्ष,
होते गजानन तुम प्रत्यक्ष।
काम तुम्हीं से शुरू होता है,
सहयोग विघ्नहर, पथ निष्कंटक।।

आज्ञा पालन करते माँ की,
पितृ क्रोध से शीश कटाया।
माँ का आशीष पाकर गजानन,
प्रथम पूजन का अधिकार ।।

साहित्य, गायन और काव्य में,
अद्भुत तुम्हारी प्रतिभा विलक्षण।
हमारे ध्यान में रहते लम्बोदर,
शुभ रूप तुम्हारा पल-पल प्रतिक्षण।।

देना आशीष सब जन - गण को,
प्रकृति विरुद्ध ना हों काम हमारे।
तुम्हारी भी स्थापना में होवे,
कंद, मूल, फल प्रयुक्त सारे।।

प्रकृति से उपजे प्रकृति ही हो मित्र,
प्राकृतिक हों सब काम हमारे।
ऐसा ज्ञान देना जग को गजानन,
प्राकृतिक प्रकोप से बच जाएं सारे।।

रचना
डॉ० आभा सिंह भैसोड़ा (स० अ०)
रा० प्रा० वि० देवलचौड़
हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि - दैनिक सृजन
01/09/2020
255
मंगलवार

गजानन

गजानन सब देवों में तुम,
पहले पूजे जाते हो।
मातृ-पितृ भक्ति का मेवा,
सबसे पहले खाते हो।।

दीन हरण हो, दुःख निवारक,
लम्बोदर कहलाते हो।
एक दंत संग गजकर्णक
और गणाध्यक्ष कहलाते हो।।

माँ पार्वती पिता शिव के
लाड़ले कहलाते हो।
ऋद्धि सिद्धि के स्वामी विनायक,
संग लक्ष्मी के आते हो।।

मूषक राज सवारी सजीली,
मोदक लड्डू खाते हो।
अभिमानी का मान गजानन,
चूर - चूर कर जाते हो।।

भक्तों पर कृपा बरसाकर,
हे सुमुख सुखी कर जाते हो।
भाल चन्द्र है धूम्रकेतु,
हर घर में बसाए जाते हो।।

सिद्धी नैथानी (प्र० अ०)
रा० प्रा० वि० खोलकंडी
वि० खण्ड- दुगड्डा पौड़ी गढ़वाल

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

01/09/2020

256

मंगलवार

जय गणेश

मंगलकारी सब दुखहारी,
पैली होंदी पूजा तुमारी।
विघ्नहर्ता,सुखकर्ता तुम,
जन जन का दुख हर्ता तुम।

मुण्डमा मुकुट मूसै सवारी,
सुण ल्यो देवा अरज हमारी।
रिद्धि,सिद्धि दगड़म रैंदा,
शुभ,लाभ बि सेवा करदा।

लाडला प्रभु तुम उमा मात का,
आज्ञाकारी सुत भोलेनाथ का।
धूप,दीप,नैवेद्यअर फूल
चढ़ौला,
लड्डू प्रसाद कू भोग लगौला।

अयां त्यारा द्वार नवौन्दा शीश
देद्यो प्रभु हमतैं आशीष ।

सरिता मैन्दोला
(प्र 0अ0)
रा.उ.प्रा.वि.गूमखाल
वि.खं.द्वारीखाल

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। ---- 9458278429

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

02-09-2020 257 बुधवार

भिंडी रानी

भिंडी रानी कहाँ चली,
सज-धज कर तू कहाँ चली।
साड़ी पहने हरी-हरी,
काया तेरी बड़ी छरहरी।

थोड़े नखरे दिखाती तू,
दुल्हन सी शर्माती तू।
सब्जियों में है न्यारी तू,
सबके मन को भाती तू।

बच्चे तुझको चाव से खाते,
सेहत अपनी खूब बनाते।
भिंडी-भिड़ी रोज चिल्लाते,
तेरे गुण सब खूब हैं गाते।

भिंडी धोकर काटूं मैं,
मिर्ची हरी भी डालूं मैं।
थोड़े से मसाले डालूं मैं,
तुझे पका कर खा लूं मैं।

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

02/09/2020

258

बुधवार

वीरों की भूमि

भूमि यह वीरों की भूमि,
तपस्वी, ज्ञानी, महापुरुषों की भूमि।
स्नेहमयी, ममतामयी, करुणामयी,
अतिथि देवो भव: की भूमि।।

वचनों में सच्चाई,
मानव धर्म भलाई।
संस्कृति ही है आकृति,
साहित्य निज रूप सँवारती।।

पावनता इसके कण-कण में,
निर्मल स्पर्श हर क्षण में।
बहती प्रेम की यहाँ बयार,
हर पल मिले सौहार्द।।

हर जीवन सफल लेकर जन्म,
शंखनाद, अज़ान से प्रतिदिन नमन।
भूमि यह वीरों की भूमि,
तपस्वी, ज्ञानी, महापुरुषों की भूमि।।

रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

क्षेत्रीय लोकगीत

सब्जी वाली

तर्ज- फिरकी वाली तू कल फिर आना

ले लो सब्जी मैं बेचण आयी,
गाजर, मूली लायी, टमाटर गोल-गोल सैं।
डांडी मारूँ ना मैं दूँगी सही तोलकै।।

जो कोई मेरी सब्जी खावै, उसके हो जां मोटे गाल,
सारे विटामिन उसमें आ जां, सेहत में हो जा वो तो लाल।
मेरी सब्जी, मिटा दे कब्जी, कर दे पेट सफाई।।

तोरी, भिंडी, लौकी, पालक, सीताफल भी मैं लायी,
ले लो गोभी, खीरा, अदरक, बड़ी दूर से मैं आयी।
मटर, बैंगन, आलू, शलजम, ले लो चाची ताई।।

जो बहना मैं भी पढ़ लेती, फिरती ना यूँ गाला में,
सब्जी बेचकै करूँ गुजारा, पालूँ बच्चे बाला नै।
पढणा-लिखणा बेटियों का भी, है बहुत जरूरी भाई।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

2/9/2020 | 260 | बुधवार

जागरूकता-गीत तर्ज-सावन का महीना....

भैया के जैसे मैं भी, जाऊंगी स्कूल।
पढ़-लिखकर मैं भी तो, महकूंगी जैसे फूल।।
चूल्हा-चौका करती हूँ, घर के सब काम।
अक्षर से अनजानी, ना जानूं लिखना नाम।
अपने जीवन का सच्चा, मैं लक्ष्य गई थी भूल।।
पढ़-लिखकर मैं भी तो, महकूंगी जैसे फूल।।

अनपढ़ और अज्ञानी, का जीवन है बेकार।
शिक्षा ही कर सकती, है मानव का उद्धार।
मम्मी-पापा सुन लो, तोड़ो अपने उसूल।।
पढ़-लिखकर मैं भी तो, महकूंगी जैसे फूल।।
ज्ञान-ज्योति से रोशन, होता है ये संसार।
बेटी-बेटे दोनों ही, होते जग के आधार।
ज्ञान-चक्षु से चुन लूंगी, जीवन के सभी शूल।।
पढ़-लिखकर मैं भी तो, महकूंगी जैसे फूल।।

भैया के जैसे मैं भी, जाऊंगी स्कूल।
पढ़-लिखकर मैं भी तो, महकूंगी जैसे फूल।।

रचना- शिखा वर्मा (इं० प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

02/09/2020 **261** बुधवार

सीखो ABCD

A, B, C, D, E, F, G,
वर्णमाला है इंग्लिश की।
H, I, J, K, L, M, N,
J से JUG, K से KITE, L से LION.

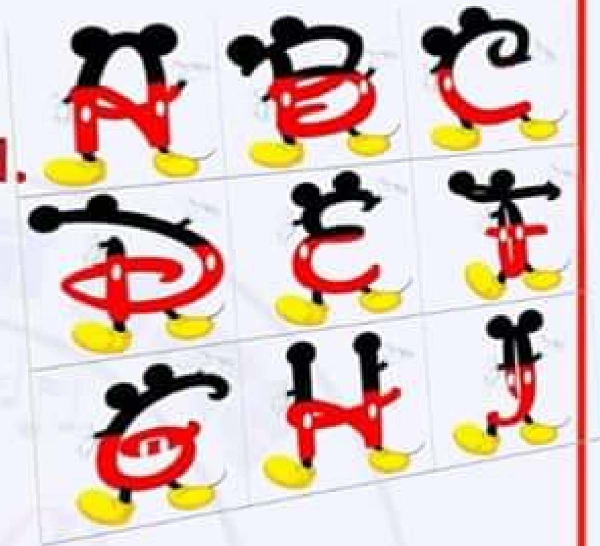

इससे आगे बोलो सब,
O, P, Q, R, S.
तुम भी बोलो बंटी, बबलू,
T, U, V, और W.

लिखना सीखो इनको करेक्ट,
Last में आते X, Y, Z.
फिर से बोलो A, B, C, D,
सीख पाओगे तुम अंग्रेजी ।।

रचना
प्रियंका सक्सैना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

02-09-2020

262

बुधवार

शिक्षा का महत्व - सगुण छन्द

सुनो तात मेरे जरा आप बात।
कटेगी नहीं ये बिना भोज रात।।
गरीबी बड़ी ही करे ये उदास।
मिले काश खाना कहीं आस पास।।

दुखी हूँ बड़ी मैं यही सोच आज।
नहीं ढूँढ़ पायी कहीं काम काज।।
रखो धैर्य थोड़ा गहो आप आस।
प्रभो! ही करेंगें दुखों का विनाश।।

हमें आप देते जरा जो पढ़ाय।
सभी काम होते बिना ही उपाय।।
पढ़ाई जरूरी बड़ी ये सिखाय।
यही आज संदेश देना लिखाय।।

रचना

गुंजन शुक्ला (प्र०अ०)
प्रा०वि०गणेश पार्क
नगर क्षेत्र, औरैया

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि - दैनिक सृजन
शिक्षक का सम्मान

02/09/2020 263 बुधवार

अंकों का ज्ञान

सीखो बच्चों, ऐसा खेल,
अंकों का है, अद्भुत मेल।
दो से दो जोड़ पर, चार हो जाए,
क्रम से दो जोड़ पर, सम हो जाए।।

दो में एक जोड़ पर, तीन हो जाए,
सम में एक जोड़ पर, विषम हो जाए।
क्रम से एक जोड़ पर, क्रमागत हो जाए,
आधे में आधा जोड़, पूरा हो जाए।।

एक से नौ तक, प्राकृतिक कहलाएं,
जीरो इनमें जोड़ने पर, पूर्ण कहलाएं।
अंक के आगे-पीछे जीरो पर, मान बदल जाएं,
अंकों के इस हेर फेर में मन बहलायें।।

अंश बटा हर, भिन्न कहलाए,
हर छोटे पर भिन्न, बड़ी कहलाए।
अंश बड़े होने पर, हर को समान करवाएं,
चौथाई में तीन-चौथाई जोड़, पूरा हो जाए।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

02/09/2020

264

बुधवार

"जागृतिनिष्ठा"

मैं एक नव ज्योति बनकर,
अज्ञान-तम को जला दूँगा।
निष्ठा की मिशाल के,
उद्देश्य को साकार कर दूँगा।

मैं एक त्रिशूल बनकर,
धरा पर जमा दूँगा।
निष्ठा के माड्यूलों को हर,
बच्चे तक पहुँचा दूँगा।।

आई०सी०टी०के फायदे,
बच्चे-बच्चे तक पहुँचा दूँगा।।
एन०सी०एफ की धारणा को,
बाल मनों में समा दूँगा।।

मैं एक सूरज बनकर,
तम को मिटा दूँगा।
समग्र शिक्षा के पहलुओं की,
अलख जगा दूँगा।।

मैं एक फुलवारी बनकर,
धरा को महका दूँगा।
पर्यावरण की सोच को,
जन-जन तक पहुँचा दूँगा।।

समाज में फैले विकारों को,
सबके मन से मिटा दूँगा।।
मैं एक नव ज्योति बनकर,
अज्ञान-तम को जला दूँगा।।

रचना-
दलीप सिंह नेगी(स०अ०)
रा0उ0प्रा0 वि0 मिजगाँव
थलीसैंण (पौडी़ गढवाल)

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

02/09/2020

265

बुधवार

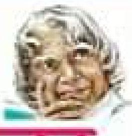

"बनें आदर्श शिक्षक हम"

मन सरल, वाणी मृदुल हो। हर छात्र से स्नेह सघन हो।।
कामना निःस्वार्थ की हो। भावना पुरुषार्थ की हो।।

मान-मर्यादा, निष्ठा, प्रतिष्ठा। हैं, गुरू के गुण सभी।।
छात्र को दिया ज्ञान भी। फलीभूत होगा तेरा तभी।।

कर्तव्य के पथ पर चला तू। ईश भी हों, संग तेरे।।
छात्र भी तैयार होगा। राष्ट्र सेवा के लिए।।

ईश ने तुझको चुना है। कार्य परमार्थ के कर।।
निज अहम का त्याग कर। पेशे का अपना सम्मान कर।।

पूजा जाता था कभी। ईश से पहले गुरू।।
निज कर्म से धूमिल कर रहा। आज अपनी छवि को तू।।

हक है तुझ पर भी किसी का। इतना तू इंसाफ कर।।
न दे सका सौ फीसदी तू। कुछ तो तू बलिदान कर।।

रचना-
मंजू भट्ट (प्र.अ.)
रा0प्रा0वि0 चाह गडोलिया
जाखणीधार(टिहरी गढ़वाल)

प्यारी गुड़िया

देखो ये मेरी प्यारी गुड़िया,
समझो न आफत की पुड़िया।
कपड़े पहने वो कभी हरे,
तो पहने वो कभी सुनहरे।।

मोती का वो पहने हार,
करे वो सारे साज-श्रृंगार।
कानों में है उसके बाली,
बिंदी चुनर और है लाली।।

गोटेदार है इसका लहंगा,
दाम है शायद उसका महंगा।
गुड़िया की शादी करायेंगे,
प्यारा सा गुड्डा लायेंगे।।

पहनेगी वो लाल चूड़ी,
खायेंगे हम सभी पूड़ी।
विदा होकर वो जायेगी,
याद उसकी बहुत आयेगी।।

रचना-आयुषी पाराशरी (स०अ०)
प्रा० वि० लाही फरीदपुर,
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

03/09/2020

268

गुरूवार

पारस्थितिकी तंत्र

शाक सब्जियां जो हैं खाते,
शाकाहारी वो कहलाते।
माँस जिन्हें भाता है मन,
माँसाहारी वो कहलाते।।

शौक हैं जिनके दोनों खाना,
सर्वाहारी हैं वो कहलाते।
भरते पेट जो निज भोजन से,
उत्पादक हैं वो कहलाते।।

रहना औरों पर आश्रित जिनको,
परजीवी हैं वो कहलाते।
उत्पादक हैं भोजन जिनका,
उपभोक्ता हैं वो कहलाते।।

खाद्य-श्रृंखला बनती है तब,
उपभोक्ता के उपभोग से।
सबसे ज्यादा संख्या नीचे,
ऊपर कम हो जाती उससे।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

3 सितम्बर 2020 | 269 | गुरुवार

फूलों के गुच्छे

तर्ज- बच्चे मन के सच्चे

गुच्छे, फूलों के गुच्छे, लगते सबको बड़े प्यारे।
रंग-बिरंगे फूल हैं ये, एक-दूजे से बिल्कुल न्यारे।।

कुछ नीले कुछ पीले हैं, गुलाबी कुछ चमकीले हैं।
कुछ आकार में छोटे हैं, कुछ लगे बड़े और मोटे हैं।
इनकी खुशबू पाकर, खुश होते हैं देखो सारे।।
गुच्छे फूलों के गुच्छे....

गुड़हल, कहीं गुलाब खिले, कहीं सूरजमुखी जनाब मिले।
कहीं चम्पा और चमेली हैं, जैसे ये कोई सहेली हैं।
इनके होने से आकर्षक, होते हैं ये नजारे।।
गुच्छे फूलों के गुच्छे....

कहीं कमल खिले हैं सरोवर में, कई फूल विद्यालय परिसर में।
कहीं देखो फूल पलाश खिले, लहराते कहीं अमलतास मिले।
गेंदा, कनेर, चाँदनी महकते, हैं जी पास हमारे।।
गुच्छे फूलों के गुच्छे....

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

03/09/2020 **270** गुरूवार

आओ सिखायें एल्फाबेट

A, B, C, D, E, F, G.
हमें पढ़ाते हैं सर जी।
सर जी एल्फाबेट पढ़ाओ,
हम सब की है ये मर्जी।।

H, I, J, K, L, M, N.
कलम को हम कहते हैं पैन।
पैन हमारा खो गया तो,
नहीं आएगा हमको चैन।।

O, P, Q, R, S,T.
हम सब की है पार्टी।
पार्टी में सब खाना खायें,
खाना बना है टेस्टी।।

U, V, W, X, Y, Z.
माथे को कहते फोरहैड।
माथे पर लगा है टीका,
टीके का रंग होता रैड।।

रचना-
अमित बाबू (स० अ०)
प्रा० वि० करनपुर
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

03-09-2020 **271** गुरुवार

रबड़ पेंसिल

रबड़ पेंसिल का मेल है प्यारा,
दोनों हैं एक दूजे के यारा।
रबड़ पेंसिल के संग यारा,
पढ़े लिखे ये बचपन सारा।।

एक दूजे का साथ निभाएं,
गलती एक दूजे की छिपाएं।
बच्चों के मन को खूब ये भाएं,
सदा हमारा साथ निभाएं।।

हैं रंग बिरंगी प्यारी प्यारी,
लगती हैं ये कितनी न्यारी।
नन्हे हाथों की शान हैं प्यारी,
स्कूल बैग है इनकी सवारी।।

चित्रकला हो चाहे बनाना,
चाहे लगाओ जोड़ घटाना।
गिनती पहाड़े चाहे लिखना,
जो जी चाहे करो वो रचना।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

03-09-2020 | 272 | गुरुवार

सूनी पड़ी हैं कक्षायें

सूनी पड़ी हैं कक्षाएं, करती हैं इन्तजार।
पुस्तकालय की पुस्तकें भी, बिछाये हैं नैना पसार।।
विद्यालय की नई बेंचों, को भी है इन्तजार।
कब आओगे बच्चों तुम, अब बहुत हो गया इन्तजार।।

दिन बीते और महीने बीते, अब बीत गया आधा साल।
सूनी पड़ी है कक्षाएं, करती हैं इन्तजार।।
श्यामपट्ट की श्यामल को, शिक्षक के चौक का है इन्तजार।
श्यामलता को श्वेत वर्ण में, होने का है इन्तजार।।

बसंत ऋतु भी बीत गई, अब आ गई है बरसात।
उपवन में लगाये पौधों में भी, अब आ गई पुष्पों की बहार।।
सूनी पड़ी हैं कक्षाएं, करती हैं इन्तजार।
ईश वंदना से शुरू होता था, जब विद्यालय का हर एक वार।।

उन वारों को भी है, अब तुम्हारा इन्तजार।
चहकती थी कक्षाएं, तुम्हारी वाणी से थी गुलजार।।
उन कक्षा-कक्षों में, सूने-से सन्नाटे ने लिए पांव पसार।
सूनी पड़ी है कक्षाएं, करती हैं इन्तजार।।

रचना

दीपक पुण्डीर (प्र०अ०)
संविलित विद्यालय ढक्का हाजीनगर
बसैदनगर , रामपुर

मेरे प्यारे दादा-दादी

इस दुनियाँ में सबसे न्यारे,
मेरे प्यारे दादा-दादी।।
वे मेरे राजा-रानी हैं,
मैं उनकी प्यारी शहजादी।।

दादा जी हैं रोज टहलते,
वह कुर्ता पहनें खादी का।
सूती-धोती, कंठी-माला,
ये पहनावा है दादी का।।

दादा जी हमको सिखलाते,
गिनती और पहाड़े अक्सर।
दादी के हाथों के लड्डू,
सब बच्चे खाते हैं मिलकर।।

दादा जी से हमने सीखा,
अच्छी बातें और भलाई।
दादी मुझको रोज सुनातीं,
रामायण की दस चौपाई।।

रचना-
अजीत रस्तोगी "सुभाषित" (स० अ०)
पू० मा० वि० सिरासौल-सीताराम
अंबियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

3 सितम्बर 2020

274

गुरुवार

विधा- हाइकु

पिता

एक पिता है
परिवारी मुखिया
देता जीवन

करता पूरी
घर में तो सब की
इच्छा सारी

करता नहीं
अपने ही मन की
दुविधा भारी

बच्चे बनेंगे
अफसर बाबू जो
नाम करेंगे

बाबू बनके
भूल गए पिता को
बड़ी वेदना

कड़ी मेहनत
दिन-रात करी जो
शिक्षा दिलाई

कह ना सका
दिल की दिल में ही
दबा के रखी

एक पिता है
भूल गया सब वो
परिवारी मुखिया

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

3/9/2020

275

गुरुवार

कलम

हाथ कलम पैदा करे,
इच्छा शक्ति रुझान।
न जानें किस गेह से,
लिख जाएं सोपान।।

लिख जाएं सोपान,
हमें भी शिक्षा मिलती।
उठा कलम लिख बैठे,
मन से बात निकलती।।

सकुचाये मन शब्द लिखें,
कभी हो नहीं गलती।
भाव करे स्पष्ट कलम,
जो जा रही चलती।।

सैनिक की निष्ठा लिख दे,
वीरों की वीरता।
राष्ट्र हितों में बलि देने,
जिन्हें पल नहीं लगता।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
पूर्व मा० विद्यालय- तेहरा
मथुरा, मथुरा

अच्छे - सच्चे इंसान

मैं भी डाक्टर बनूँगा पापा,
मैं भी माँ इंजीनियर।
और चाची का अफसर बेटा,
बन जाऊँगा चाचा मैं प्रोफेसर।।

भैया देखो सीखूँगा कंप्यूटर।
दीदी देखो करो न गुस्सा,
बन जाऊँ शायद मैं कलेक्टर।
या दादा जी जैसा फौजी अफसर।।

पर बेटा तुम हो एक,
और ये सब इतने सारे।
बोली दादी हँसकर,
हँस पड़े घरवाले सारे।।

लेकिन बेटा सब से पहले,
तुम बन जाओ अच्छे इंसान।
दादी की सुन बात सब बोले,
हाँ-हाँ, बेटा बन जाओ सच्चे इंसान।।

ममता साह (स० अ०)
रा० प्रा० वि० भूमियाधार
ब्लॉक – भीमताल
जिला - नैनीताल

च्यली बचाया, च्यली पढ़ाया

च्यलि कैं बचाया, च्यलि कैं पढ़ाया,
सब भाई बैना, अभियान यो चलाया।
च्याला च्यलि सब छन एक समान,
सब कैं दिया तुम, शिक्षा को यौ दान।।

म्यरि बात समझिया, सब कैं समझाया,
सब भाई बैना अभियान यो चलाया।
अजन्मी च्यलि ले, करछी पुकार,
मैकें ले दिया तुम जीण कौ अधिकार।।

च्यलि ले अपणा घर कैं चमकाया,
सब भाई बैना अभियान यो चलाया।
च्याला है न हुनी च्यलि में के कसर,
क्वे छन डॉक्टर, क्वे छन अफसर।

च्यलि कैं न समझिया धन छौ पराया,
सब भाई बैना अभियान यो चलाया।।
च्यलि कैं बचाया च्यलि कैं पढ़ाया,
नारी कैं सम्मान दिया सब कैं बताया।।

देवेंद्र कोहली (समन्वयक)
सीआरसी-चम्मू ,
कनालीछीना
पिथौरागढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। ---- 9458278429

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

04/09/2020 **278** शुक्रवार

जलीय-जीव की पहचान पहेली

वर्षा-रानी वर्षा-रानी,
तुम्हें सुनाएं एक कहानी।
जैसे जीवन उसका पानी,
कहते इसको जल की रानी।।

शरीर बड़ा पर खतरनाक है,
मुँह में मेरे बड़े दाँत हैं।
छुप-छुप कर मैं आता हूँ,
झट से पकड़ खा जाता हूँ।।

बच्चों बारिश के दिनों में,
मैं अक्सर आता जाता हूँ।
न धीरे न तेज चलूं,
लंबी छलांग लगाता हूँ।।

उत्तर-1- मछली 2-मगरमच्छ 3-मेंढक 4-बगुला

मैं भी पानी में रहती हूँ,
डुबकी लगाकर तैरती हूँ।
लाल-चोंच है रंग सफेद,
कोई बताए मेरा भेद।।

रचना
प्रियंका सक्सैना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

पेड़ के लाभ

आओ बच्चों पेड़ लगाएं,
धरती पर हरियाली लाएं।
उजड़ी-उजड़ी लगती धरती,
इसकी सुंदरता को बढ़ाएं।।

पेड़ हमें ऑक्सीजन देते,
देते फल और फूल।
ऑक्सीजन बिना साँस ना चले,
यही तो है जीवन का मूल।।

पेड़ हमें देते हैं लकड़ी,
जिससे बनता फर्नीचर।
खिड़की और दरवाजे बनते,
जिससे बनता अपना-घर।।

पेड़ के पत्ते खाएं जानवर,
बनता इनसे जैविक खाद।
पेड़ के इतने लाभों को,
बच्चों तुम कर लेना याद।।

रचना-
अमित बाबू (स० अ०)
प्रा० वि० करनपुर
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

04/09/2020 **280** शुक्रवार

पेड़ के भाग

आओ बच्चों, तुम्हें दिखाएं,
पौधा एक, अबोध सा।
पौधे में हैं, कितने भाग,
क्या भाग है, कौन-सा।।

नीचे जिसके, होती जड़,
रखती उसको, मजबूत खड़ा।
तने में होता, संचित भोजन,
रहता यूँ, मजबूत अड़ा।।

पत्ती जिसको, भोजन देतीं,
प्रकाश संश्लेषण होने से।
होती पत्ती, हरी-भरी,
हरित लवक, उनमें होने से।।

फूलों के होने से,
पौधे की सुंदरता है।
फल, फूलों से बना,
वृक्ष ही इसकी सुंदरता है।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

बेटी है जग का आधार

बेटी है जग का आधार,
ममता की मूरत साकार।
शक्ति का कहलाती अवतार,
खुशियों से भर देती घर-द्वार।।

बाबुल के आँगन की यह चिड़िया,
क्यों इसको जंजीरों में जकड़ा।
सक्षम है, नहीं लाचार,
इनमें प्रतिभाएं बहुत अपार।।

बेटी बनकर हाथ बँटाती,
माता बनकर दुलार लुटाती।
शिक्षित बन सशक्त समाज बनाती,
क्यों समझते बेटी को भार।।

रोशन होता इनसे जग सारा,
बेटा कहलाता कुल का दीपक।
पर बिन बेटी यह जग अँधियारा,
शिक्षा का दो इनको अधिकार।।

रचना- दीपिका वर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० मदरी प्रथम
अमौली, फतेहपुर

बिल्ली रानी

बिल्ली बोली म्याऊँ म्याऊँ,
भूख लगी है क्या मैं खाऊँ।
दूध पियूँ या चूहे खाऊँ,
या भूखी ही मैं सो जाऊँ।।

तभी वहाँ एक चूहा आया,
मैंने चूहे को बहुत दौड़ाया।
लुका छिपी का खेल खिलाया,
चूहा था बहुत घबराया।।

ना जाने कहाँ से कुत्ता आया,
मुझे देखकर वो गुर्राया।
दिल मेरा भी बहुत घबराया,
मुझपे क्यों ये संकट आया।।

अब तो ईश्वर ही मुझे बचाए,
बचने की कोई राह दिखाए।
जान बची तो लाखों पाए,
लौट के बुद्धू घर को आए।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

04/09/2020

283

शुक्रवार

बेटियाँ

परिवार अगर है इक गुलशन,
रंग बिरंगी तितली हैं बेटियाँ।
गर्मी के तप्त मौसम में,
सावन की पहली बारिश हैं बेटियाँ।।

अमावस के अंधेरे में,
पूनम के चाँद सी हैं बेटियाँ।
हर घर के चिरागों को,
रोशन करती हैं बेटियाँ।।

दया, ममता, प्रेम और करुणा,
इन भावों से भरी हैं बेटियाँ।
बेटी है तो ख़ुशहाली घर में,
हर घर की लक्ष्मी हैं बेटियाँ।।

पिता के कांधे का बोझ नहीं,
परिवारों की बुनियाद हैं बेटियाँ।
इस दुनिया में अभिशाप नहीं,
ईश्वर का आशीर्वाद हैं बेटियाँ।।

रचना- नीतू सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भुडेली समरेर,
जिला-बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। ---- 9458278429

प्यारे पंछी

पंछी-पंछी, प्यारे पंछी,
दूर गगन, उड़ जाते हो।
घूम-घाम कर, सैर सपाटा,
वापस घर आ जाते हो।।

कैसे तुम, उड़ जाते गगन में,
कैसे हवा में, फिरते हो।
आजादी का जश्न मनाकर,
फिर जमीं पे आ जाते हो।।

कितने प्यारे, सुंदर लगते,
रंग बिरंगे, पंखों में ।
तिनका तिनका, चुनकर लाते,
आशियाना बनाते जंगल में।।

साथ एक दिन, मुझ को लेकर,
क्यों न उड़ते, नील-गगन में।
कैसा लगता, हवा में उड़कर ,
मैं भी देखूं आसमान में।।

रचना
नीतू कुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० सादातपुर नाचनी
इस्लामनगर, बदायूँ

"चिड़िया रानी"

मेरे आंगन में एक चिड़िया,
सुबह सवेरे आती है।
चूँ-चूँ करके दाना चुगती,
फिर फुर्र से उड़ जाती है।।

राजू बैठा देख रहा था,
एक दिन उसने माँ से पूछा।
कहाँ से आती है यह चिड़िया?
और कहां को जाती है?

माँ ने कहा सुन मेरे लाल,
पेड़ों पर यह रहती है।
नन्हे-मुन्ने बच्चों की खातिर,
दाना चुगती रहती है।।

कभी न थकती यह चिड़िया,
मेहनत करती रहती है।
तुम भी मेहनत करना सीखो,
यही संदेशा कहती है।।

रचना
प्रियदर्शिनी तिवारी (प्र० अ०)
प्रा० वि० कुआंडीह,
मंझनपुर, कौशांबी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

4 सितम्बर 2020

286

शुक्रवार

हमारा भोजन

भोजन में जिनको हम खाते,
वो हैं भोज्य पदार्थ कहलाते।
लेते भोजन सन्तुलित मात्रा में,
तो स्वस्थ शरीर हमारे हैं रहते।।

अब तुम जानो हँसते-गाते,
भोजन हम कहाँ से हैं लाते।
कुछ भोजन मिलता पौधों से,
कुछ जन्तुओं से हम हैं पाते।।

शक्ति मिलती है हमको उससे,
जो कुछ भी भोजन हम लेते।
भोजन में कार्बोहाइड्रेट और वसा,
कार्य करने को हमें ऊर्जा देते।।

अब जानो बच्चों तुम जल्दी,
प्रोटीन से होती शरीर की वृद्धि।
विटामिन और खनिज लवण,
रोगों से हमारी सुरक्षा हैं करते।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

04/09/2020 287 शुक्रवार

महत्व व्याकरण का

हिन्दी भाषा का पूर्ण ज्ञान,
व्याकरण बिना नहीं आसान।
समझ इसकी जो पक्की होगी,
भाषाई ज्ञान को गति मिलेगी।।

अंग हैं इसके अपरम्पार,
वर्ण, शब्द, और वाक्य विचार।
संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण,
करना होगा, इनका विश्लेषण।।

लिंग, वचन, काल का भेद पहचानो,
संधि, समास को भी जानो।
उपसर्ग, प्रत्यय, शब्द भंडार,
इनके बिना है, सब बेकार।।

उच्चारण में रहो सावधान,
शुद्ध-अशुद्ध की कर पहचान
तत्सम, तद्भव पर देना ध्यान,
विलोम, पर्यायवाची का रहे ज्ञान।।

विराम चिह्न, क्यों हम भूलें,
लोकोक्ति, मुहावरों को भी छूलें।

मंजू भट्ट (प्र० अ०)
रा० प्रा० वि० चाह गडोलिया
जाखणीधार
टिहरी गढ़वाल (उत्तराखंड)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

04/09/2020

288

शुक्रवार

संस्कृत भाषा

संस्कृत भाषा सुरस सुबोधा,
ललिता ह्रदया रमणीयाः।
सुरभाषा च देववाणि च,
विश्व मनोज्ञा संस्कृत भाषा ।

न च कठिना, नैव क्लिष्टा,
अमृत वाणी संस्कृत भाषा।
महाकवि वाल्मीकि विरचिता,
रामायण रमणीय कथा।

महाभारते व्यास विरचिता,
सर्वजनाः कृते पुण्यकथा।
कालिदासः च भाष च कविवराः,
मेघदूतम रमणीयम् कथा।

यः सुरभाषा सुशोभिताः,
मम् भाषा यः संस्कृत भाषा।
सर्वे भाषाया जननी च,
अति सरला च रमणीयाः

बबीता जोशी
रा० पू० मा० वि० सौनगॉव
मूनाकोट पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। ---- 9458278429

गुरु जी

जो दे विद्या दान,
कहलाते वह गुरु जी।

अक्षर, शब्द, वाक्य सिखाते,
मात्रा, संज्ञा, सर्वनाम बताते।
व्याकरण का ज्ञान कराते,
भाषा की शुद्धता समझाते, गुरू जी।।

जोड़, घटाना, गुणा, भाग सिखाते,
लाभ-हानि के प्रश्न समझाते।
गलती हो तो फिर से बताते,
समझाकर प्रश्न हल करवाते, गुरु जी।।

संसार की संरचना पढ़ाते,
इतिहास मे पूर्वजों के बारे मे बताते।
नित नये प्रयोग, गतिविधि कराते,
पढ़ाते हमको सभी विज्ञान, गुरु जी।।

पर्यावरण के बारे मे बताते,
खेल खिलाते, व्यायाम कराते।
सांस्कृतिक व नैतिक पाठ पढ़ाते,
सिखाते अच्छे-बुरे की पहचान, गुरु जी।

रचना स्मिता वैश्य (स० अ०)
पू० मा० वि० मकू का पुर्वा
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

05-09-2020

290

शनिवार

शिक्षक का फर्ज

तर्ज- झिलमिल सितारों का आंगन..

मेहनत से सबको पढ़ाना होगा,
सुन्दर भविष्य बनाना होगा।
सोये सबके भाग्य जगाना होगा,
मेहनत से सबको पढ़ना होगा।।

अपने भारतवर्ष को हम स्वर्ग सा बनाएंगे,
साधन मिलें न सही खुद से ही जुटाएंगे।
रत्नों का प्यारा खजाना होगा,
सुन्दर भविष्य बनाना होगा।।

हम तो अपने देश की गरीबी को मिटायेंगे,
कोशिश करके बदनसीबी को भगाएंगे।
शिक्षा से करके दिखाना होगा,
सुन्दर भविष्य बनाना होगा ।।

शिक्षा के संग हम तो संस्कार भी सिखाएंगे,
बोली-भाषा और व्यवहार हम बताएंगे।
लक्ष्य-प्रेरणा पाना ही होगा,
सुन्दर भविष्य बनाना होगा।।

रचना
रश्मि (प्र.अ.)
प्रा.वि. गुलाबपुर
भाग्यनगर, औरैया।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

05-09-2020

291

शनिवार

गुरु वंदन

गुरु जी मेरे नमन आपको,
अर्पित करूं सुमन आपको।

हमको पढ़ना-लिखना सिखाकर,
सन्मार्ग पर चलना सिखलाया।
गुरु-द्रोणाचार्य बन आपने,
हमको अपना लक्ष्य दिखाया।।

जीवन की भूल-भुलैया में,
सही पथ चुनना सिखलाया।
आसमान की बुलंदियों पर,
हौसलों से उड़ना सिखलाया।।

स्वार्थ कपटता मन से त्याग कर,
परोपकार करना सिखलाया।
देश की सेवा करने की खातिर,
ज्ञान का अमृत हमें पिलाया।।

डॉक्टर वकील सैनिक बनाकर,
हमें राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ाया।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

5/9/ 2020

292

शनिवार

ज्ञान-दीप

तर्ज-इतनी शक्ति हमें देना दाता...

हाथ से हाथ आओ मिलाएं,
ज्ञान के दीप मिलकर जलाएं।
हर तरफ हो उजाला-उजाला,
एक ऐसा जहां हम बनाएं।।

दूर अज्ञानता का तमस हो,
कोई रह जाए न अब अज्ञानी।
पथ सभी ज्ञान से हों प्रकाशित,
बात हम शिक्षकों ने है ठानी।।

दीप अक्षर के यूं जगमगा दें,
रोशनी ज्ञान की हम जगा दें।
सबका जीवन करें ऐसे रोशन,
हम स्वयं दीप-सा जगमगा दें।।

रोप दें हम नई पौध मिलकर,
जिसमें फल संस्कारों के आएं।
लहलहाती फसल हो जहां पर,
बाग शिक्षक सभी हम उगाएं।।

रचना

शिखा वर्मा (इं० प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षक

शिक्षक है शिक्षा की अलख,
बच्चों में जगाये शिक्षा अलख।
बालपन से वृद्धावस्था तक,
शिक्षक होंगे अलग-अलग।।

नन्हे बच्चे को माँ सिखलाती,
प्यार डांट से उसको सिखलाती।
पहली शिक्षक होती माँ,
माँ होती शिक्षक की झलक।।

गुरु ही बृह्मा, देवादिदेव,
गुरु ही विष्णु, देवादिदेव।
गुरु ही युग निर्माता है,
गुरु राष्ट्र निर्माता है।।

होंगे गुरु जो अपने साथ,
हर बाधा मिट जाएगी।
होगी मंजिल आसान वही,
नए युग की नींव रख जाएगी।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

गुरुवर

जीवन के उतार-चढ़ाव में, ढलना सिखा दिया।
मैं कौन हूँ, क्या हूँ, मुझे मुझसे मिला दिया ।।

अज्ञानता को दूर कर, ज्ञान का दीपक जला दिया।
गुरुवर मुझे आपने, जीना सिखा दिया ।।

एक छोटी सी जिज्ञासा पर, ज्ञान का सागर ही दे दिया।
हाँ मुझे याद है, जड़ से इंसाँ बना दिया।।

हर अभ्यास और अनुभव से, सब कुछ बता दिया।
गुरुवर मुझे आपने, चलना सिखा दिया ।।

सही गलत का फर्क क्या, यह मुझको बता दिया।
भटकते मुसाफिर को, मंजिल से मिला दिया।।

गुरु की महिमा का, देवों ने भी गुणगान किया ।
गुरुवर मुझे आपने, नया मुकाम दिया।।

रचना
नीतू कुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० सादातपुर नाचनी
इस्लामनगर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

5/9/2020

295

शनिवार

शिक्षक की अभिलाषा

खेल-खेल में भी मूल्य-परक,
शिक्षा तो मिलनी चाहिए।
फिर से अबोध बचपन को,
अच्छी दिशा मिलनी चाहिए।।

नहीं कोई छोटा-बड़ा,
नहीं गरीब-अमीर भाव हो।
जीवन में आए काम ऐसी,
सीख मिलनी चाहिए।।

हम हैं गुरु उन बाल के,
जो अबोध बनकर आए हैं।
सभी पढ़ें बनें सुयोग्य शिक्षा,
सदैव मिलनी चाहिए।।

शिष्य अपना बाल-सम ही,
शिक्षक के मन में भाव हो।
सुयोग्य, वीर बाल विदुषी,
बालाएँ मिलनी चाहिए।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० (पू०मा०) वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

05/09/2020 296 शनिवार

नित वन्दन है गुरुवर तुम्हारा

नित वन्दन है गुरुवर तुम्हारा,
तुम सा न कोई हितैषी हमारा।
भगवान से बढ़कर स्थान तुम्हारा,
पाएं हर पल हम आशीर्वाद तुम्हारा।।
अज्ञान तिमिर का ज्ञानंजन,
शलाका से जो करे निवारण।
अंधकार हटाकर प्रकाश पुंज जलाकर,
अज्ञान का जो करे निवारण।।
अधर्म का नाश कर धर्म का मार्ग दिखाए,
आत्मज्योति पर पड़े विध्न को हटाए।।
राह के कंटको का जो है निरोधक,
बन हमारा सम्बल दूर करे अवरोधक।।
गुरु कृपा जिस पर हो जाये,
मिले ज्ञान अपार जीवन सफल हो जाये।
गुरु प्रकाश पुंज की है ज्योति,
नित ज्ञान की होती बढ़ोत्तरी।।

रचना
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। ---- 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

05/09/2020

297

शनिवार

राष्ट्र निर्माता

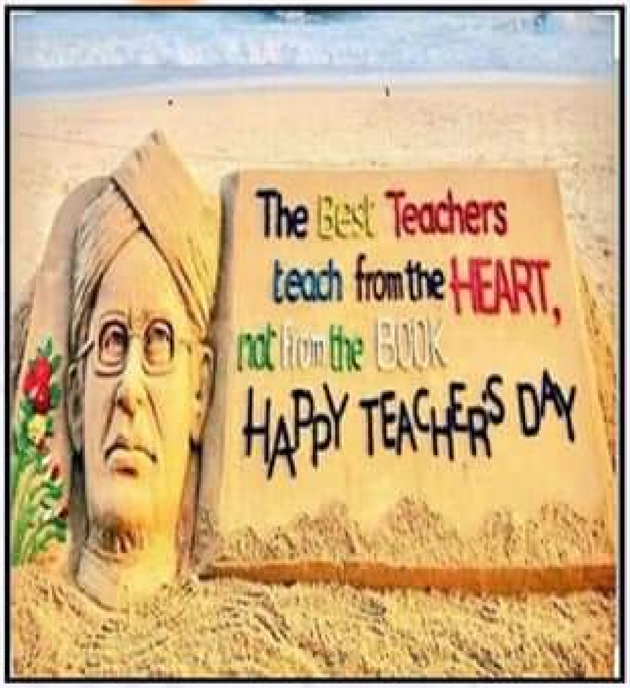

हे! शिक्षक तुमको प्रणाम,
तुम हो मेरे चारों धाम।
फूल हूँ मैं, जिस उपवन का,
तुम हो उसके बागवान।।

विद्यालय जब जाना सीखा,
क, ख, ग सब तुमसे सीखा।
जिंदगी की हर राह पर,
चलना, गिरना, संभलना सीखा।।

जीवन में आगे बढ़ना सिखाया,
संस्कारों से चरित्र निर्माण कराया।
सबको आदर-सम्मान देकर,
आत्मसम्मान से जीना सिखाया।।

भाग्यविधाता आप हो मेरे,
जग में बढ़ता रहे आपका मान।
राष्ट्र निर्माता आप कहलाये ,
चरणों मे आपके कोटि-कोटि प्रणाम।।

रचना- नीतू सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भुडेली समरेर,
जिला-बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

05/09/2020

298

शनिवार

हमारी दीदी

हम बच्चों की प्यारी दीदी,
सदाचार का पाठ पढ़ाती।
अनुशासन की बात बताती,
बात करने का ढंग सिखलाती।।

इंसानियत का पाठ पढ़ाती,
गलतियों पर हमें समझाती।
पढ़ना-लिखना हमें सिखलाती,
नई दुनिया से परिचय कराती।।

तरह-तरह के खेल खिलाती,
चोट लगने पर मरहम लगाती।
निश्छल प्यार हम पर लुटाती,
पौधा लगवाकर जन्मदिन मनाती।।

साफ-सफाई से रहना सिखलाती,
प्रकृति संरक्षण का पाठ पढ़ाती।
हमसे हमारा परिचय कराती,
बेहतर हमको रोज बनाती।।

रचना-
डॉ० रैना पाल (स० अ०)
प्रा० वि० आंमगाव
बदायूँ

"गुरु की महिमा"

जब तक साँसें चलती है,
गुरुवर की महिमा गाऊँ।
सपने में गुरु को देखूं,
जागूँ तो दर्शन पाऊँ।

गुरु के बिन सब है अधूरा,
कोई काम भी ना हो पूरा।
गुरु का मार्गदर्शन पाऊँ,
मैं शत-शत शीश नवाऊँ।

पहली गुरू होती माता,
जिससे जीवन है पाया।
गुरू बिन दुनिया मे अँधेरा,
नहीं मिलती कोई छाया।

सद्भाव, सदाचार के गुणों से,
मुझको आपने परिपूर्ण किया।
बलिहारी जाऊं गुरुवर आप पर,
मुझ शिष्य को विभूति बनाया।।

रचना
श्रेया द्विवेदी (स० अ०)
प्रा० वि० देवीगंज- प्रथम
कंड़ा, कौशाम्बी

गुरु

ज्ञान के प्रकाश से जो,
दुनिया को करे प्रकाशित,
वो गुरु होता है।

ईश्वर की सभी रचनाओं में,
जो सबसे महानतम रचित,
वो गुरु होता है।

अज्ञान का कर विनाश,
ज्ञान की गंगा करे प्रवाहित,
वो गुरु होता है।

अबोध बचपन को जो,
हर प्रकार से करे विकसित,
वो गुरु होता है।

शिष्य भले कैसा भी हो,
उसमें सद्‌गुणों को करे संचित,
वो गुरु होता है।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभारः

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।